28/12/2024

आकाशवाणी ईटानगर

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को आज नई दिल्ली के निगम बोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सिख ग्रंथियों और डॉ. मनमोहन सिंह के परिजनों ने अंतिम संस्कार से पहले गुरबानी का पाठ किया और तोपों की सलामी दी गई। औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जगत प्रकाश नड्डा तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अतिरिक्त कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन बृहस्पतिवार को एम्स नई दिल्ली में हुआ था। वे बानबे वर्ष के थे।

00000000000000000000

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार देश के आर्थिक विकास में बड़ी नींव रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सूचित किया कि सरकार ने स्मारक बनाने का फैसला किया है और भूमि अधिग्रहण,

ट्रस्ट के गठन और भूमि हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद जो भी समय लगेगा, वह काम जल्द से जल्द उचित तरीके से किया जाएगा।

00000000000000000000

इंडिजिनस फैथ एंड कल्चरल सोसायटी ऑफ अरुणाचल प्रदेश-IFCSAP के रजत जयंती स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रोटायर्ड के टी परनाईक ने स्वदेशी लिपियों को संरक्षित करने, अनुष्ठानों, प्रार्थना गीतों, नृत्यों और मौखिक इतिहासों का दस्तावेजीकरण करने और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए संग्रहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समाज को युवा पीढ़ी को उनकी पैतृक विरासत के बारे में शिक्षित करने के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार आयोजित करने और मौखिक इतिहास, लोककथाओं आदि को संरक्षित करने के महत्व पर जोर देने का सुझाव दिया। राज्यपाल ने IFCSAP से युवाओं को पारंपरिक शिल्प, संगीत और अनुष्ठानों में शामिल करके अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के बीच सामुदायिक सद्भावना को बढ़ावा देने का आग्रह किया, ताकि इन कौशलों की निरंतरता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आपसी समझ और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए राज्य के जनजातियों के बीच अंतर-सामुदायिक आदान-प्रदान की भी वकालत भी की और स्वदेशी मान्यताओं पर आधारित नियमित प्रार्थना सभाओं और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के आयोजन का सुझाव दिया।

00000000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को बताया कि अरुणाचल प्रदेश फ्रीडम ऑफ रिलिजन एक्ट (APFRA), उन्नीस सौ अठहत्तर - जो आज की तारीख में निष्क्रिय है - जल्द ही राज्य में इसके नियमों के तहत लागू किए जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश की पहली विधानसभा द्वारा पारित APFRA के तहत लोगों को बलपूर्वक, धोखाधड़ी या प्रलोभन के माध्यम से एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने पर रोक लगाने की परिकल्पना की गई है। ईटानगर में इंडिजिनस फैथ एंड कल्चरल सोसायटी ऑफ अरुणाचल प्रदेश- IFCSAP के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए, श्री खांडू ने कहा कि यह अधिनियम अब तक निष्क्रिय पड़ा हुआ था, लेकिन गुवाहाटी उच्च न्यायालय के हालिया निर्देश के अनुसार, राज्य सरकार कार्यान्वयन हेतु इसके नियम बनाने के लिए बाध्य है। उन्होंने कहा, "नियम बनाने की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही, हमारे पास एक उचित संरचित धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम होगा।" 00000000000000

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत अरुणाचल प्रदेश के 23 जिलों, चौरासी ब्लॉकों और 329 गांवों के लिए 199 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। गत शुक्रवार को इंडिजिनस फैथ एंड कल्चरल सोसायटी ऑफ अरुणाचल प्रदेश- के रजत जयंती समारोह में भाग लेते हुए मंत्री ने यह जानकारी सझा की। राज्य में आदिवासी शिल्पकला के बारे में बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने इसके लिए कौशल विकास मंत्रालय से मदद एवं इसके विपणन को बढ़ाने का आश्वासन दिया।

00000000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने गत शुक्रवार को ईटानगर के आईजी पार्क में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम, राज्य के स्वदेशी मामलों के मंत्री मामा नातुंग एंव गणमान्य लोगों की मौजूदगी में शामनवाद पर एक पुस्तक का विमोचन किया। 'शामनिस्टिक प्रेक्टिस एंड नैरेटिव्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश' नामक पुस्तक में 18 विद्वानों के योगदान हैं जिन्हें अनुष्ठान, कथाएँ और समकालीन मुद्दे इन तीन विषयगत खंडों में विभाजित किया गया है। यह पुस्तक राज्य की आपातानी, आका, आदी, मिशमी, न्यिशी, सारतांग और बुगुन जैसी जनजातियों के बीच शामनवाद के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालती है। यह आधुनिकीकरण, धार्मिक रूपांतरण और सामाजिक परिवर्तनों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करते हुए शामनों की भूमिका को जैसे उपचारक, आध्यात्मिक और मौखिक परंपराओं के संरक्षक के रूप में उजागर करती है।

00000000000000000000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में देश-विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की 117वीं कड़ी होगी। मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़ ऑन ए.आइ.आर. मोबाइल ऐप पर भी प्रसारित किया जाएगा। इसे आकाशवाणी समाचार, डी.डी. न्यूज़, पी.एम.ओ. और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यू-ट्यूब चैनलों पर भी सीधा प्रसारित किया जाएगा।